ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 13 अंक - 18 दिसम्बर - II, 2012 (पाक्षिक) माउण्ट आबू मूल्य 7.50 रु.

ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय की ओर से दीपावली महोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित

माउन्ट आबु। दीपावली पर रोशनी से प्रकाशित आमशांति भवन । दादी जानकी के साथ दीप प्रज्जवलन करते हुए दादी रत्नमोहिनी , ब्र.कु. मोहिनी , दीदी निर्मला, ब्र.कु. सुदेश, ब्र.कु. निंवैर ,ब्र.कु. करूणा ,ब्र.कु. मृत्युंजय तथा अन्य

माउण्ट आबू प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि देवताओं का गायन व पूजन करना भारतीय संस्कृति की विशेष परंपरा रही है, लेकिन अब उस परंपरा के अनुरूप अपने जीवन को सुख शांति से भरपूर करने के लिए श्री लक्ष्मी व श्रीनारायण जैसे लक्षणों को स्वयं के जीवन में लाने की आवश्यकता है। वे संगठन के ज्ञान सरोवर अकादमी के परिसर में दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि अब देवताओं को हाथ जोडने के साथ उनके जीवन चरित्रों को आध्यात्मिक रहस्य के साथ समझने पर अपने जीवन में उतारने की जरूरत है। ज्ञान सरोवर निदेशिका डॉ. निर्मला ने कहा कि देवताओं जैसी सोच, बोल, कर्म, व्यवहारिकता के साथ दैवी संस्कारों व स्वभाव को अपनी जीवन शैली में समावेश करने से मुक्ति, जीवनमुक्ति का सुखदायी अनुभव इस जीवन में भी संभव है।वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका बी के मुन्नी बहन ने कहा कि मनुष्य को बहानेबाजी करने की आदत सच्ची व अविनाशी सुख शान्ति से वंचित कर देती है। दैवी संस्कारों को आचारण में लाने की चेष्टा करने से ईश्वर की मदद मिलती है। ज्ञान सरोवर निदेशिका डॉ निर्मला बहन, खेल प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका बी के शशि बहन, बी के शीलू बहन, जर्मनी से सुदेश बहन, रशिया से संतोष बहन, मीडिया प्रभाग उपाध्यक्ष बी के करूणा भाई, बी के मृत्युजंय भाई, बी के अशोक गाबा आदि भी उपस्थित थे।

रशियन कलाकारों ने प्रस्तुतियों से किया मंत्रमुग्ध

इस मौके पर प्राचीन भारतीय संस्कृति से रूबरू कराते हुए रशिया से आए कलाकारों ने दर्शको को मंत्रमुग्ध कर दिया। शिव परमपिता परमात्मा व देवियों के महिमा के गीतों पर भारतीय लिबास में भारतीय संस्कृति की भावभंगिमों को प्रदर्शित नृत्य करते हुये रशियन कलाकारों ने उपस्थित जनसमुदाय को भाव विभोर कर दिया।

आध्यात्मिक रहस्यों पर डाला प्रकाश

दीपोत्सव के उपलक्ष्य में सूर्यास्तदर्शन मार्ग स्थित संगठन के आध्यात्मिक संग्रहालय में भी कार्यक्रम को आयोजित किया गया। जहां दादी जानकी, दादी रतन मोहिनी, म्यूजियम प्रभारी प्रतिभा बहन समेत संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने दिवाली के आध्यात्मिक रहस्यों पर प्रकाश डालते हुए जीवन में अज्ञान अंधकार को दूर करने पर बल दिया।

ज्ञान सरोवर माउण्ट आबू - ब्रह्माकुमारी संगठन की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी ने कहा कि देवताओं के चरित्रों का स्वयं में समावेश करने का अब तीव्र गति से पुरुषार्थ करने की जरूरत है।

संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुरूप अपने जीवन को सुख शान्ति से भरपूर करने ` लिए श्रीलक्ष्मी व श्रीनारायण जैसे लक्षणों को अपनाना चाहिए।

ज्ञान सरोवर निदेशिका डॉ निर्मला ने कहा कि सकारात्मक सोच में नए जीवन, नए समाज व नए विश्व की रचना करने की अदभुत शक्ति है।

इस अवसर पर दादी पूर्णशांता, बी के मुन्नी बहन, रशिया से आई संतोष बहन, सुधा बहन, मीडिया प्रभाग उपाध्यक्ष बी के करूणा, बी के सूरज, सुमन बहन आदि ने भी विचार व्यक्त किए।**रशियन कलाकारों ने किया**

ज्ञानसरोवर । दीपावली शाम को कर्यक्रम में रशिया कलाकर नृत्य प्रस्तुत करते हुए। रोशनी सजा हारमनी हॉल के सम्मुख दीप लिए भाई -बहन ।